गोलालारीय समाज का मुखपत्र

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya.darshan@gmail.com

गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है – www.golalariya.com

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2018-2020

मासिक गोलालारीय दर्शन

लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

सेवा में,

महावीर जयंती विशेषांक

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 9 अंक : 7 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 मई 2018 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

इन्दौर में नवीन मंदिर का भूमि शुद्धि व शिलान्यास महामहोत्सव साआनंद संपन्न

सुधेश जैन, इन्दौर । 29 अप्रैल का दिन इन्दौर शहर के लिए बड़ा ही भाग्यशाली रहा जब लार्ड आदिनाथ रेसीडेंसी में 1008 श्री आदिनाथ दि. जैन मंदिर का भूमि शुद्धि शिलान्यास महामहोत्सव का कार्यक्रम देश की पांचवी प्रतिमास्थली के निर्माण का शिलान्यास अरबिन्दो हास्पिटल के पास, पश्चिम क्षेत्र में विधुर नगर में जिन मंदिर का शिलान्यास कार्यक्रम, नवनिर्मित तीर्थ मलयगिरी में जिन प्रतिमाओं की स्थापना व शाम को शहर के मध्यक्षेत्र में चेलना दीदी की आर्यिका दीक्षा की भव्य बिनोला शोभा यात्रा सानंद संपन्न हुई । म.प्र. की औद्योगिक नगरी इन्दौर कर्मक्षेत्र व धर्मक्षेत्र दोनों में ही अग्रणी है ।

विगत कई वर्षों से इन्दौर गोलालारीय समाज का स्वप्न रहा कि एक भव्य जिनालय मांगलिक परिसर, संत सदन और छात्राबास समाज द्वारा बनाया जाये । आज इस कार्यक्रम में जिनालय और संत सदन की प्रथम शिला रखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है नगर के प्रसिद्ध डॉ. रुपेश–रानी मोदी (स्व. श्री हेमचंद मोदी) परिवार को प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी अभय 'आदित्य' भैयाजी के मार्गदर्शन में प्रात: 6 बजे से ही मांगलिक क्रियाएं प्रारंभ हो गई थी । मंगलाष्टक, अभिषेक, पूजन व जाप्यानुष्ठान के पश्चात ध्वजारोहण पश्चात् कार्यक्रम विधिवत प्रारंभ हुआ ।

ध्वजारोहणकर्ता न्यास के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंद्र–प्रभा जैन परिवार द्वारा किया गया । आपके प्रयासों से ही समाज नवीन जिनालय को मूर्तरूप दे पाये । ध्वजारोहण के समय नगर की संस्था 'सामाजिक संसद' के सचिव श्री राजकुमार पाटोदी का सानिध्य प्राप्त हुआ । मूलनायक प्रतिमा पुण्यार्जक का सौभाग्य मुनिश्री 108 समकित सागरजी महाराज की स्मृति में उनके परिवार की श्रीमती कमलादेवी जैन के पुत्र इंजी. आनंद–कल्पना जैन व उनके अनुजों द्वारा संपूर्ण मांगलिक क्रियाओं में अपनी सहभागिता देकर सतिशय पुण्य का अर्जन किया ।

इस शुभ अवसर पर इन्दौर दिगम्बर जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं के गणमान्य श्रेष्ठीजन श्री प्रदीपकुमारसिंह कासलीवाल अध्यक्ष, श्री राजकुमार पाटोदी महामंत्री – दि. जैन सामाजिक

ससंद, श्री प्रदीप बड़जात्या अध्यक्ष पुलक जन चेतना मंच, श्री हसमुख गांधी, रा. अध्यक्ष – सोशल ग्रुप फेडरेशन, श्री मनोहर झांझरी कार्याध्यक्ष – फेडरेशन, श्री कमलेश कासलीवाल, इन्दौर नगर ग्रुप, श्री दिलीप पाटनी शहर उपाध्यक्ष बीजेपी, श्री श्रीकृष्ण जैन रिटा. डिस्ट्रीक्ट जज, श्री जे.के. जैन रिटा. जज हाईकोर्ट, श्री विमलचंद जैन पूर्व अध्यक्ष सीनियर सिटीजन, श्री कैलाश वैद्य पूर्व अध्यक्ष सामाजिक संसद, श्री इन्द्रकुमार सेठी, श्री कमल रांवका, विलमचंद टोंग्या, कैलाशचंद लुहाड़िया आदि ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया ।

देश के सुप्रसिद्ध विद्वान पं. रतनलालजी शास्त्री ने अपने आर्शीवचन देकर गोलालारीय समाज के प्रयास की अनुमोदना की । प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र. अभय 'आदित्य' भैयाजी की स्वर लहरियों में बोली के माध्यम से * **स्वर्ण शिला** में श्री शम्भू कुमार पाटोदी, क्लर्क कालोनी, श्री सुयश सुभाष कुमारजी, क्लर्क कालोनी, श्री अनिलकुमारजी रजनी जैन, स्कीम नं. 78, श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन 'सायकलवाले', श्री अनिलकुमारजी जैन, जनता कालोनी * **रजत शिला** में श्रीमती सविता पत्नि डॉ. डी.सी. जैन, श्री रमेशचंदजी जैन, क्लर्क कालोनी, श्रीमती शांतिबाई अशोककुमारजी जैन, कालानी नगर, श्रीमती राजमती शशिजी सुधेशजी जैन, सुदामा नगर, श्री प्रमोदकुमारजी पेठेवाले* **ताम्र शिला** में श्री नवीन पंचरतन, मोती महल, श्री रमेशचंदजी जैन, श्रीमती प्रभा रमेशचंदजी जैन, श्री प्रियांशु रमेशचंदजी जैन, श्री नरेशचंदजी जैन, क्लर्क कालोनी * **पीतल शिला** में श्री अनिल जैन, अनिल मेडिकल, श्री शीतल प्रसाद सालगिया, श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन केसलीवाले, श्री राजेन्द्रकुमारजी जैन, सांईनाथ कालोनी, श्री सुधीर (पिन्टू) जैन, मनपसंद कालोनी * **जस्ता शिला** में श्रीमती सरोज जैन, मनपसंद कालोनी, श्री दिनेशजी जैन, अहिल्या नगर, श्री कोमलचंदजी जैन, आजाद नगर, श्री कमलकुमारजी संध्या जैन, परदेशीपुरा, श्री सुरेशकुमारजी जैन, आजाद नगर * **चांदी के स्वास्तिक** की स्थापना में श्री सुरेन्द्र जैन, विजय नगर, श्री अनिलकुमारजी जैन, शिक्षक नगर, श्री जिनेशजी जैन, गुमास्ता नगर, श्री पी.सी. जैन, पराग नगर, श्री ओमप्रकाशजी जैन, परदेशीपुरा * **मंगल कलश** में श्रीमती शालिनी जैन, प्रिंसु जैन, क्लर्क कालोनी, श्रीमती नेहा धर्मेन्द्रजी जैन, स्कीम नं. 74, श्रीमती तनु पियुष जैन, तिलक नगर, श्रीमती सविता पंकज जैन, सुखलिया, श्रीमती रजनी आशीष जैन स्कीम नं. 78 * **पंचरतन की पुडिया** में श्रीमती शशि राजेश जैन, स्कीम नं. 78, श्री संजय समीर सुरेश कुमारजी जैन, एसबीआई, श्री सुरेशकुमारजी जैन, अनूप नगर, श्री जयकुमार जैन, सुंदर नगर, श्री सुरेशचंद जैन, गोयल नगर * **पंचपरमेष्ठी** में श्री अनिलकुमार कामिनी जैन पवई, श्री सुनिधी विकास जैन, विजय नगर, श्री खुशालचंदजी जैन, महावीर नगर, श्रीमती निधि जितेन्द्र जैन सीए, श्री दिनेशकुमार जैन, उषा नगर* **ताम्र कीले** – श्रीमती सुशीला रतनलाल जैन, परदेशीपुरा, श्री के.डी. जैन, स्मृति नगर, श्रीमती मीना रजनीश जैन, श्री मनीष जैन, अंजनी नगर, श्री रजत राकेश जैन, पिंजरापोल * **पारा एवं मर्करी** में श्रीमती विमला हरीशचंदजी जैन, क्लर्क कालोनी * **फावड़ा** – श्री रजनीश जैन, रामचंद्र नगर, * **तशला** – श्री भरतकुमार जैन, सपना जैन, ब्रजेश्वरी, * **करनी** – श्री चंदजी जैन, दिपेश जैन, ब्रजेश्वरी को स्थापित करने का सौभाग्य समाज के उक्त

गोलालारीय दर्शन समाज के 4300 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अनुपमा–रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना–सुनील जैन, 8602696165

कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847

समाज के श्रेष्ठीजनों से पुन: सादर अनुरोध है कि समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका गोलालारीय दर्शन के निरंतर प्रकाशन के लिए आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, विशेष सहयोगी बनकर पत्रिका को आर्थिक संबल प्रदान करें ।

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
सहयोगी सदस्य	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/–
फुल पेज (अंदर)	11000/–
1/2 पेज	5000/–
1/4 पेज	3000/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/–
शोक संदेश फोटो सहित	1000/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	300/–

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेंजे।

ऐतिहासिक भव्य आकर्षक अद्भुत बिनोला यात्रा

सकल दिगम्बर जैन समाज के साथ फिर नया इतिहास रचा

सीमा जैन, इन्दौर । परम पूज्य "आचार्य श्री संभवसागरजी महामुनिराज" की परम शिष्या बाल ब्रह्मचारणी प्रज्ञावान परम विदुषी चेलना दीदी की आर्यिका दीक्षा के पूर्व ऐतिहासिक भव्य आकर्षक अद्भुत बिनोला शोभा यात्रा से इंदौर जैन समाज ने नया इतिहास रचा।

विश्व प्रसिद्ध कांच मंदिर से शोभा यात्रा प्रारंभ हुई जो कि शीतला माता बाजार गोराकुण्ड मल्हारगंज रामाशाह मंदिर गली नं.3 बीस पंथी मंदिर होते हुए मोदीजी की नसिया पहुंची। हजारो समाजजनों ने उपस्थिति दर्ज करवा कर गुरु भक्ति का उत्कृष्ट परिचय दिया। दीदी की आर्यिका दीक्षा को लेकर समाजजनों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। बिनोला यात्रा के मार्ग में सैकड़ो जगह समाज जनो द्वारा दीदी की गोद भराई कर अनुमोदना का पुण्य अर्जित किया गया । विभिन्न महिला मंडलो एवं संगठनो ने विशेष ड्रेस कोड में उपस्थिति दर्ज करवाई। दीदी ने शोभायात्रा मार्ग में सभी जिनालयों के दर्शन किये। महिला उद्घोषक बेंड छत्रपति नगर ने शानदार प्रस्तुति दी। संगीतकार पंकज जैन शानदार भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति दी जिसमे समाजजन भक्ति में झूम रहे थे प्रमुख संयोजक अशोकजी पाटोदी पुलक चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप बड़जात्या कमलजी रावका नकुलजी पाटोदी एवं संजयजी पाटोदी ने शोभायात्रा को सुव्यवस्थित अंजाम दिया।

इंदौर शहर की महापौर श्रीमती मालिनीजी गौड़ ने हरी झंडी दिखाकर बिनोला यात्रा का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर दिगम्बर जैन सामाजिक संसद पूर्व अध्यक्ष कैलाशजी वेद, अशोकजी पाटनी, अध्यक्ष प्रदीपजी कासलीवाल, महामंत्री राजकुमारजी पाटोदी, हंसमुखजी गांधी, धन्नालालजी पाटोदी, जयदीपजी जैन, महेशजी पाटोदी, प्रतिपालजी टोंग्या, इंद्र कुमारजी सेठी, तेज कुमारजी सेठी (गोटू भैया), विमलजी गंगवाल, योगेन्द्रजी काला, सुरेन्द्रजी मोदी, मनीषजी अजमेरा, विजय कासलीवाल, मनोजजी काला, हेमन्तजी जैन बाबूलालजी बड़जात्या सहित अनेक समाज श्रेष्ठी उपस्थित थे। मोदीजी की नसिया में धर्म सभा में दीदी के मंगलमय प्रवचनों का लाभ भी समाजजनों को प्राप्त हुआ । दीदी ने इंदौर जैन समाज की गुरु भक्ति की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप लोगो की भक्ति बहुत ही उत्कृष्ट हैं । दीदी ने 14 जुलाई से 18 जुलाई तक सम्मेद शिखरजी में आयोजित आर्यिका दीक्षा समारोह में सभी समाजजनों को पधारने का आमंत्रण दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रभावना वितरित हुई।

प्रतिभा स्थली भूमि पूजन शिलान्यास समारोह सम्पन्न हुआ।

अंचल जैन, इन्दौर । परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य "श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज" के आशीर्वाद से इंदौर शहर में 105 परम पूज्य आर्यिका आदर्शमती माताजी (ससंघ) के पावन सानिध्य में "गोशाला रेवती गांव तहसील साँवेर" में "प्रतिभा स्थली" का "भूमि पूजन शिलान्यास समारोह" भव्यता के साथ सानन्द सम्पन्न हुआ। पूज्य माताजी के पावन सानिध्य में ब्रह्मचारी श्री अनिल भैयाजी के निर्देशन में सभी मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न हुई व स्वर्ण, रजत व अन्य शिला विराजित करने एवं आचार्य भगवन श्री विद्यासागरजी महाराज की पूजन में अर्घ समर्पित करने का सुअवसर अनेक समाजजनों को प्राप्त हुआ । इस अवसर पर प्रतिभा स्थली के सभी सम्मानीय ट्रस्टीगण व प्रत्येक समाज व सोशल ग्रुप के पदाधिकारी व समाजजन उपस्थित हुए। संगीतकार पंकज जैन की सुमधुर लहरियो ने आयोजन को रुचिपूर्ण बना दिया । आयोजको द्वारा समाज के पदाधिकारियों व समाजजन का आभार व्यक्त किया गया ।

नवीन मंदिर... पेज. 1 का शेष...

दानदाताओं को मिला । इसके अतिरिक्त श्री विकास जैन, विजय नगर, श्री बाबूलाल जैन, क्लर्क कालोनी, श्री विमलचंद जैन, भींडरवाले, स्नेहलतागंज (पूर्व अध्यक्ष - सिनीयर सिटीजन ग्रुप) ने भी सहयोग राशि भेंट की । इस प्रसंग पर सभी ने यथाशक्ति बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अपनी चंचला लक्ष्मी का सदुपयोग किया ।

जिनधर्म जिनागम जिन चैत्य चैत्यालय का मिलना, निर्माण करना सातिशय पुण्य के बंध का फल देता है । हमारे पूर्वजों ने एक एक परिवार ने बड़े बड़े मंदिर व नसियाजी का निर्माण कराकर जो विरासत हमें सौंपी है आज हम संपूर्ण समाज मिलकर भी नहीं कर पा रहे हैं यह एक पीड़ादायी प्रश्न है । संसार के विभिन्न कार्यों में हम अपने सामर्थ्य से अधिक खर्च कर पाप का संचय करते है लेकिन जब पुण्य का अवसर आता है तो अपने सामर्थ्य को छिपाकर कम से कम दान देने की भावना रख समाज व समाज पदाधिकारियों से बड़ी बड़ी अपेक्षाएं रखते है । जब तक हम इस विकृत मानसिकता से नहीं उभरेंगे तब तक अन्य समाजों के समक्ष अपने आपको नहीं रख पायेंगे । यही कारण है कि बा.ब्र. अभय भैयाजी ने बोली के समय मंच से कहा कि समाज में काफी संपन्न परिवार है पर वे दिल से बहुत कमजोर है । आप सभी से सादर अनुरोध है कि इस महायज्ञ में अपने सामर्थ्य को ना छिपाते हुए अधिक से अधिक दान के माध्यम से अपनी आहुति देकर इस स्वप्न को मूर्तरुप देने में अपना सहयोग प्रदान करें ताकि आने वाली पीढ़ियां गर्व से कह सके कि हम गोलालारीय है ।

समाज कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा समाजजनों को घर-घर पहुंचाई ऋषभ शिला लेकर आये । देखते ही देखते एक गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम स्थल पर हो गई ।

गर्मी के इस मौसम में समाज पदाधिकारी न्यासी श्री हरिशचंद जैन, श्री कोमलचंद जैन, श्री अशोककुमार जैन (विजय नगर), श्री बाहुबली जैन, श्री अनिलकुमार जैन (जनता कालोनी), श्री राजेन्द्रकुमार जैन (टेलीफोन), श्री अशोककुमार जैन (कालानी नगर), श्री कमलचंद जैन (परदेशीपुरा), श्री अनिलकुमार जैन (न्यू देवास रोड़), श्री हीरालाल जैन (न्यू देवास रोड़), श्री मुकेशकुमार जैन (विजय नगर), श्री अरविन्दकुमार जैन (स्कीम 78), श्री राजेश जैन (पलासिया), श्री राजेशकुमार जैन (सुंदर नगर), श्री अंचल जैन (इतवारिया), श्री अभिषेक जैन (स्कीम नं. 114), श्री दीपक जैन (आशीष नगर), श्री भावेश जैन, श्री मेहुल जैन व श्री अशोक जैन (नंदा नगर) ने समाजजनों को घर घर जाकर ऋषभ शिला पहुंचाकर आमंत्रित करने का स्मरणीय कार्य किया । समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन, सचिव श्री बाहुबली जैन व कोषाध्यक्ष श्री राजेन्द्रकुमार जैन (सांईनाथ कालोनी) के अथक प्रयासों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में काफी योगदान दिया । कार्यक्रम के अंत में न्यास सचिव श्री बाहुबली जैन ने उपस्थित समाजजनों का आभार व्यक्त किया ।

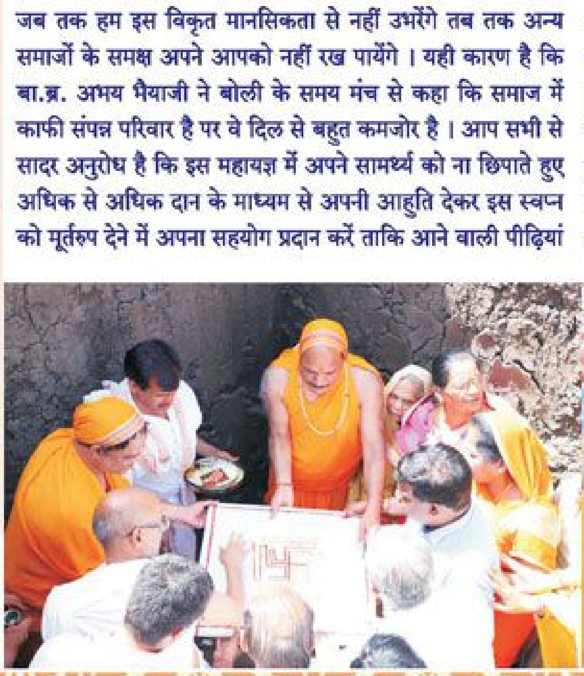

अखिल भारतीय जैन संपादक संघ का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जैन संपादक शरीर में रीड की हड्डी की तरह हैं : आर्यिका वर्द्धस्वनन्दिनी

डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर । अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र करगुवां जी, झाँसी में परम पूज्या आर्यिका 105 श्री वर्द्धस्वनन्दिनी ससंघ के पावन सान्निध्य में आ. भा. दि. जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के उपाध्यक्ष, श्रेष्ठी श्री प्रदीप जैन पीएनसी, आगरा के मुख्य अतिथि में शपथ ग्रहण का कार्यक्रम विधि पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीयमंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य, श्री संदीप जैन उपशासन सचिव अल्पसंख्यक आयोग व वरिष्ठ पत्रकार श्री कैलाशचंद जैन झांसी की उपस्थिति रही। शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में शैलेन्द्र जैन एडवोकेट-अलीगढ़ ने अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। डॉ. सुरेन्द्र भारती-बुरहानपुर ने कार्याध्यक्ष, श्री अखिल बंसल जयपुर ने महामंत्री, श्री प्रदीप जैन-दिल्ली ने उपाध्यक्ष, श्री प्रवीण जैन-झांसी दै. विश्व परिवार ने संयुक्त मंत्री, डॉ. राजीव प्रचण्डिया-अलीगढ़ ने कोषाध्यक्ष, डॉ. सुनील संचय ललितपुर ने प्रचार मंत्री, श्री अकलेश जैन ने संगठन मंत्री तथा श्री नवनीत जैन मेरठ ने संयोजक का पद की शपथ ली। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. बी.एल. सेठी-जयपुर, श्री पंडित विनोद जैन रजवांस, श्री शरदचंद नांदणी, श्री जगदीश जैन-आगरा, श्री मनीष जैन शास्त्री, शाहगढ़ व श्रीमती मीना जैन उदयपुर ने शपथ ली। इस अवसर पर देश के विभिन्न भागों से आए संपादकों को संबोधित करते हुए पूज्य आर्यिका श्री वर्द्धस्वनन्दिनी माताजी ने कहा कि संपादक संघ की जिन शासन रूपी वृक्ष को संरक्षण, संवर्द्धन करने में महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। लेखक,संपादक और पत्रकार अपने लेखन में हित, मित, प्रिय वचनों का उपयोग करें ताकि मानव मानवता से जुडकर जगत के कल्याण के काम आ सके। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य जैन धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करने हो। जैन संपादक शरीर में रीड की हड्डी की तरह हैं। आप सभी जैन धर्म को उन्नति की ओर ले जाने का पुरुषार्थ करें। इस मानव जीवन में आये हो तो कुछ ऐसे नेक कार्य कर जाओ या ऐसा लिख जाओ, जिससे सभी हमेशा याद करें।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि श्री प्रदीप जैन पीएनसी आगरा ने जैन संपादक संघ के पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि बुद्धिमत्ता परमात्मा की दी हुई अमूल्य धरोहर हैं। सरस्वती पुत्र इसका सही दिशा में हल निकाल सकते हैं। आज अनेक कमियां हमारी समाज में आईं हैं, जिन पर संपादक संघ को गहन चिंतन करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग के सह सचिव श्री संदीप जैन ने कहा कि समाचारों और विचारों का बड़ा आधार हैं। अतः क्षणिक प्रचार या लाभ के लिए लेखन नहीं होना चाहिए, बल्कि धर्म और अध्यात्म के साथ सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रति जागरूक बनना चाहिए। अल्पसंख्यक जैन समुदाय को मिलने वाली सुविधाओं को अर्जित करने का भी उन्होंने आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व मंत्री श्री प्रदीप जैन आदित्य ने संपादक संघ को जैन धर्म और साहित्य से जन-जन को परिचित कराने के साथ ही सरकार द्वारा मांस निर्यात को कृषि का दर्जा देने के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही।

प्रेस मान्यता समिति उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार श्री कैलाशचंद जैन, झाँसी ने कहा कि पत्रकारिता समाज में सबसे बहुत महत्वपूर्ण दायित्व हैं। उसके निर्वाहन के लिए हमें आत्मगौरव के साथ मर्यादित लेखन करना होगा।

नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र जैन अलीगढ़ ने कहा कि संपादक संघ का उद्देश्य देशभर में जैन पत्र-पत्रिकाओं से जुड़े संपादकों और पत्रकारों को जोड़कर भारत वर्ष में भगवान महावीर के संदेशों को जन जन तक फैलाते हुए सामाजिक समस्याओं के समाधान खोजना होगा। उन्होंने कहा कि संपादक संघ को किसी भी पंथवाद,संघवाद आदि से परे रहकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेगा। कार्याध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र भारती बुराहानपुर ने कहा कि आज संगठित होकर खडे होनें की पहली आपश्यकता हैं। हम सकारात्मक चिंतन के साथ आगें बढ़े पर डरें नहीं । संगठन को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य होना चाहिए। जहां जो परम्परा हैं वहां वही परंपरा चले। सुबह के सत्र का संचालन करते हुए महामंत्री अखिल बंसल जयपुर ने जैन पत्र संपादक संघ की संपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए संघ के उद्देश्यों को बताया । साथ ही बताया कि संघ की पत्रिका 'जैन संवाद' को जल्द ही नियमित रूप से प्रकाशित किया जाएगा।

दोपहर सत्र का संचालन करते हुए प्रवीण जैन झाँसी ने कहा कि संपादक की एक गलती समाज में आग लगाने का कार्य करती हैं। शिथिलाचार पर गहन चिन्तन की जरूरत है परंतु इस पर हम सार्वजनिक रूप से न लिखें। इस अवसर पर श्री अनिल जैन जयपुर, श्री नवनीत जैन मेरठ, डॉ. राजीव प्रचण्डिया-अलीगढ़,

श्री सुमत जैन सासनी, डॉ. नरेन्द्र भारती सनावद, प्रोफेसर वी एल सेठी जयपुर, डॉ ज्योति जैन खतौली, राजेश रागी बक्सवाहा, पंडित विनोद जैन रजवांस, डॉ. सुनील संचय ललितपुर, डॉ.संजय जैन सागर, श्री अकलेश जैन अजमेर, श्री प्रदीप जैन दिल्ली, डॉ. माणकचंद उदयपुर, श्री मनीष शास्त्री शाहगढ़, श्री अनुराग जैन अजमेर, श्री अशोक जैन, श्री पुष्पेन्द्र जैन मड़ावरा, पंडित सुखदेव जैन सागर, मीना जैन उदयपुर, जगदीश जैन आगरा, श्री शरदचंद जैन, प्रकाश जैन शाहगढ़ आदि देश के विभिन्न अंचलों से पधारे पत्रकारों ने अपने अमूल्य सुझाव और विचार रखे। इस अवसर पर श्री प्रदीप जैन पी एन सी, श्री प्रदीप जैन आदित्य व श्री कैलाश चंदजी वरिष्ठ पत्रकार झांसी को संगठन का परम संरक्षक व श्री संदीप जैन दिल्ली,उप शासन सचिव अल्पसंख्यक शिक्षा आयोग को परामर्शमण्डल में सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया । शपथ ग्रहण से पूर्व संपादक संघ ने बरुआसागर में विराजमान परम पूज्य आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के परम शिष्य परम पू.मुनि श्री अभयसागरजी ससंघ व ललितपुर में विराजमान परम पू.आ.श्री ज्ञानसागरजी ससंघ से आशीर्वाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने संगठन को अपना मार्गदर्शन व उत्तरोतर प्रगति का आशीर्वाद प्रदान किया। प्रातः क्षेत्र पर विराजमान मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक-शांतिधारा-पूजन करने का लाभ भी उपस्थित जैन पत्रकारों ने लिया। उपस्थित जैन पत्रकारों का स्वागत दिगम्बर जैन पंचायत के अध्यक्ष श्री प्रकाश जैन एडवोकेट, मंत्री श्री ऋषभ जैन, सुभाष जैन, डॉ. जिनेन्द्र जैन,रविन्द्र जैन रेल्वे, राजीव अहिंसा, विनोद ठेकेदार, राजकुमार बाबा, आलोक जैन, अमित प्रधान आदि ने किया। मंगलाचरण कुमारी शालू जैन और कुमारी ऐरा जैन ने अपने मधुर स्वर में किया।

सिद्धक्षेत्र पवाजी मंदिर कार्यकारिणी चुनाव संपन्न

तालबेहट (ललितपुर) । दि. 26 अप्रैल को बुंदेलखंड की पावन धरा पर स्थित उत्तर प्रदेश के एकमात्र श्री दि. जैन सिद्ध क्षेत्र पावागिरीजी में चुनाव अधिकारी श्री कैलाशचंद्र जैन 'विश्व परिवार' झांसी क्षेत्र संरक्षक एवं अजितकुमार जैन एडवोकेट ललितपुर पूर्व अध्यक्ष के दिशा निर्देशन में क्षेत्र प्रबंध समिति का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ । जिसमें अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन पुरा बबीना, मंत्री जयकुमार जैन कंधारीकलां, कोषाध्यक्ष प्रेमचंद जैन नयाखेड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिलेश जैन गुंदेरा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तमचंद जैन भड़रा बबीना, संयुक्त मंत्री विकास भंडारी कडेसराकलां, उपमंत्री आदेश जैन पवा, प्रचार मंत्री विनोद जैन बैरागी बबीना एवं आय व्यय निरीक्षक पंकज कुमार जैन कडेसराकलां, राजकुमार जैन चकरपुर बबीना निर्वाचित हुए । 11 कार्यकारिणी के सदस्यों का भी चुनाव किया गया । मतदान प्रक्रिया से संपन्न हुए चुनाव में शत प्रतिशत सदस्यों ने अपने मत का प्रयोग किया । निर्वाचन प्रक्रिया को संपन्न कराने में प्रवीणकुमार जैन 'विश्व परिवार' झांसी, रिषभकुमार जैन झांसी, टी सी रवीन्द्रकुमार जैन झांसी, पार्षद प्रतिनिधि चक्रेश जैन तालबेहट एवं विशाल जैन पवा का सहयोग रहा । अंत में चुनाव अधिकारियों ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं विजयी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया ।

डिण्डोरी में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

सुरेन्द्र जैन, डिण्डोरी । सकल जैन समाज डिण्डोरी द्वारा 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज को श्रीफल भेंट कर निवेदन किया तदुपरांत आचार्य श्री ने मंद मंद मुस्कुराहट के साथ पंचकल्याणक महोत्सव हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की । तदुपरांत समाज के लोगों द्वारा डिण्डोरी आकर जोर शोर से तैयारियां प्रारंभ की गई। दिनांक 12.03.18 को आचार्य श्री ने ससंघ डिण्डोरी नगर में प्रवेश किया उनके आगमन पर भव्य आगवानी की गई। जिसमें सभी वर्गों के लोगो ने बढ़चढ़ के भाग लिया एवं जयकारों के नारो से नगर गूंज उठा। पंचकल्याणक महोत्सव के प्रतिष्ठाचार ब्र. विनय भइया बंडा रहे। पात्रों के चयन में सौधर्म इन्द्र डॉ. सुनील जैन पंचरत्न, कुबेर इन्द्र सत्येन्द्र जैन (पप्पू) महायज्ञ नायक सुधीर जैन पंचरत्न, भरत इन्द्र सम्यक जैन पंचरत्न, बाहुबली इंद्र सार्थक जैन पंचरत्न, ब्रहोत्तर इन्द्र सुरेन्द्र जैन और राजा श्रेयांश रिशी प्रदीप जैन, स्वंप्रव इन्द्र रीतेश प्रदीप जैन विधि नायक श्री रिषभ जैन तथा भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य प्रवीण जैन एवं श्रीमती मीना जैन को प्राप्त हुआ। दिनांक 23.03.18 से 29.03.18 तक भव्य पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव साआनंद संपन्न हुआ । नवीन मंदिर में 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान की बड़ी ही मनोहारी प्रतिमा विराजमान हुई। उक्त आयोजन में डिण्डोरी नगर में आयोजकों एवं समाज के द्वारा मुक्त हस्त से दान दिया गया । रात्रि में प्रतिदिन सांस्कृतिक एवं मनभावन कार्यक्रम आयोजित हुये और कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। अंत में कार्यक्रम समाप्ति के उपरांत समाज अध्यक्ष एवं सौधर्म इन्द्र डॉ. सुनील जैन द्वारा आभार प्रकट किया गया ।

कल्याण मुंबई में छत्तीसी विधान साआनंद संपन्न...

संजय जैन, कल्याण । कल्याण में आचार्यश्री विद्यासागरजी के संयम स्वर्ण महोत्सव के अंतर्गत श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, ठाणगेवाड़ी, कल्याण (पश्चिम) में आचार्य छत्तीसी विधान बड़े ही धूमधाम और धार्मिक गरिमा व हर्ष उल्लहास के साथ संपन्न हुआ । सर्वप्रथम श्रीजी का अभिषेक और पूजा पंडित रमेशचंद्रजी भरिलजी और भिवंडी की संगीत पार्टी के सानिध्य में प्रारंभ हुआ । संगीत पार्टी की धुनों ने भक्ति का अदभुत माहौल बना दिया । श्री सुनीलजी जैन और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रतिभा जैन ने गीतों की लय पर विधान की पूजा की उनका साथ अरुण जी जैन ने दिया। श्री संजय जैन ने भी अपनी गायन शैली में नई गीतों की लय पर गुरु विद्यासागरजी पर रचित गीतों को इस विधान में भजन गए। पंडित भरिल जी जब अपनी मधुर भाषा और संगीतमय शैली में विधान के अर्घ्य बोलते थे तो ऐसा लगता था जैसे, मानो हम साक्षात् गुरुवर के चरणों में अर्घ्य चढ़ा रहे हो। श्रीमती मृदुला शाह ने विधान के बाद आरती गाई ।

यह विधान श्री संजय अर्चना जैन एवं श्रीमती शिरस जिनेन्द्र जैन और उनकी माताश्री बसंती जैन की ओर से किया गया । जिसमें सकल जैन समाज कल्याण ने पूरी धार्मिक भावनाओ के साथ विधान में शामिल हुए विधान के उपरांत वात्सल्य भोजन की व्यवस्था भी विधानकर्ता परिवार की तरफ से सकल जैन के लिए गई थी । अंत में संजय जैन और जिनेन्द्र जैन ने पंडितजी और संगीत पार्टी का स्वागत श्रीफल देकर किया और सकल जैन समाज का आभार व्यक्त किया।

भारतीय संस्कृति के संवाहक बनें शिक्षक : राष्ट्र संत आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज

एक शिक्षक में शिष्टचार क्षमाभाव और कर्तव्य निष्ठा होना चाहिए : ब्र. अनिता दीदी

विशाल जैन पवा, ललितपुर। शिक्षक का कार्य विषय–शिक्षण तक सीमित नहीं हैं, अपितु वह अपने आचरण के द्वारा छात्रों में मानवता का निर्माण कर सकते हैं। चारित्र का विकास, व्यक्तित्व का गठन और जीवन निर्माण एक सच्चा शिक्षक ही कर सकता हैं उक्त विचार सराकोद्धारक राष्ट्र संत आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज ने क्षेत्रपाल जैन मंदिर में शिक्षकों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि वर्तमान की शिक्षा केवल रोजगार के लिये होती हैं लेकिन वह बेरोजगार ज्यादा बनाती हैं। जिस शिक्षा से जीवन का समुन्नत विकास हो सकता हैं वह केवल आजीविका व स्वप्न दिखाती हैं, शिक्षा का उद्देश्य अर्थोपार्जन तक सीमित हो गया हैं जिस कारण वर्तमान पीढ़ी संस्कृति से विमुख हो रही हैं। आवश्यकता हैं कि शिक्षक स्वयं चरित्रवान बने और भारतीय संस्कृति के संवाहक भी बनें। आचार्यश्री ने अपने मार्गदर्शी व्याख्यान में वर्तमान शिक्षा पद्धति, संस्कारों का अभाव, नैतिक शिक्षा का विलोपीकरण, संस्कृति ज्ञान का अभाव, शिक्षकों का चारित्रिक अवमूल्यन, गैर जिम्मेदारी पूर्ण शिक्षण के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जब विपरीत परिस्थितियाँ हों ऐसी स्थिति में शिक्षक का दायित्व ओर बढ़ जाता हैं। शिक्षक ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा का प्रमाण बनें। अनेक संस्मरणों, उदाहरणों से आचार्यश्री ने शिक्षकों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल क्लासरूम तक ही नहीं सिमटता बल्कि यह दायित्व बालकों/छात्रों के व्यक्तित्व के विकास और चरित्र निर्माण का भी एक अहम हिस्सा होता हैं। अंततः यह कहना अतियुक्ति नहीं होगी कि वर्तमान युग में शिक्षक छात्र/छात्राओं के सक्षम मार्गदर्शक होने के साथ ही देश के भाग्य विधाता और भविष्य निर्माता भी हैं। शिक्षक का दर्जा समाज में हमेशा से ही पूज्यनीय रहा हैं। कोई उसे 'गुरु' कहता हैं, कोई 'शिक्षक' कहता हैं, कोई 'आचार्य' कहता हैं, तो कोई 'अध्यापक' या 'टीचर' कहता हैं। ये सभी शब्द एक ऐसे व्यक्ति को चित्रित करते हैं, जो सभी को ज्ञान देता हैं, सिखाता हैं और जिसका योगदान किसी भी देश या राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करना हैं। सही मायनों में कहा जाए तो एक शिक्षक ही अपने विद्यार्थी का जीवन गढ़ता हैं और शिक्षक ही समाज की आधारशिला हैं। एक शिक्षक अपने जीवन के अंत तक मार्गदर्शक की भूमिका अदा करता हैं और समाज को राह दिखाता रहता हैं तभी शिक्षक को समाज में उच्च दर्जा दिया जाता हैं। शिक्षक को 'समाज का शिल्पकार' कहा जाता हैं। आचार्यश्री आगे कहते हैं कि गुरु या शिक्षक का संबंध केवल विद्यार्थी को शिक्षा देने से ही नहीं होता बल्कि वह अपने विद्यार्थी को हर मोड़ पर राह दिखाता हैं और उसका हाथ थामने के लिए हमेशा तैयार रहता हैं। विद्यार्थी के मन में उमड़े हर सवाल का जवाब देता हैं और विद्यार्थी को सही सुझाव देता हैं और जीवन में आगे बढ़ने के लिए सदा प्रेरित करता हैं। सफल जीवन के लिए शिक्षा बहुत उपयोगी हैं, जो हमें गुरु द्वारा प्रदान की जाती हैं। शिक्षक अपने शिक्षार्थी को ज्ञान देने के साथ साथ गुणवत्ता युक्त शिक्षा भी देते हैं, जो कि एक विद्यार्थी में उच्च मूल्य स्थापित करने में बहुत उपयोगी हैं। किसी भी राष्ट्र का आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास उस देश की शिक्षा पर निर्भर करता हैं। अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी हैं तो उस देश को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता । अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी नहीं होगी तो वहां की प्रतिभा दबकर रह जाएगी । उन्होंने कहा कि एक शिक्षक द्वारा दी गई शिक्षा ही शिक्षार्थी के सर्वांगीण विकास का मूल आधार हैं। प्राचीनकाल से आजपर्यंत शिक्षा की प्रासंगिकता एवं महत्ता का मानव जीवन में विशेष महत्व हैं। शिक्षकों द्वारा प्रारंभ से ही पाठ्यक्रम के साथ ही साथ जीवन मूल्यों की शिक्षा भी दी जाती हैं। शिक्षा हमें ज्ञान, विनम्रता, व्यवहारकुशलता और योग्यता प्रदान करती हैं। आचार्यश्री कहते हैं आज भी बहुत से शिक्षक, शिक्षकीय आदर्शों पर चलकर एक आदर्श मानव समाज की स्थापना में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। लेकिन इसके साथ साथ ऐसे भी शिक्षक हैं, जो शिक्षक और शिक्षा के नाम को कलंकित कर रहे हैं और ऐसे शिक्षकों ने शिक्षा को व्यवसाय बना दिया हैं जिससे एक निर्धन शिक्षार्थी को शिक्षा से वंचित रहना पड़ता हैं और धन के अभाव से अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ती है। आधुनिक युग में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षक वह पथ–प्रदर्शक होता हैं, जो हमें किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाता हैं। आज के समय में शिक्षा का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण हो गया हैं। शिक्षा का व्यवसायीकरण और बाजारीकरण देश के समक्ष बड़ी चुनौती हैं। पुराने समय में भारत में शिक्षा कभी व्यवसाय या धंधा नही थी। इससे वर्तमान छात्रों को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षक ही भारत देश को शिक्षा के व्यवसायीकरण और बाजारीकरण से स्वतंत्र कर सकते हैं। देश के शिक्षक ही पथ–प्रदर्शक बनकर भारत में शिक्षा जगत को नई बुलंदियों पर ले जा सकते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि गुरु एवं शिक्षक ही वो हैं, जो एक शिक्षार्थी में उचित आदर्शों की स्थापना करते हैं और सही मार्ग दिखाते हैं। एक शिक्षार्थी को अपने शिक्षक या गुरु के प्रति सदा आदर और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए । किसी भी राष्ट्र का भविष्य निर्माता कहे जाने वाले शिक्षक का महत्व यहीं समाप्त नहीं होता, क्योंकि वे न सिर्फ हमको सही आदर्श मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि प्रत्येक शिक्षार्थी के सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती हैं। किसी भी देश या राष्ट्र के विकास में एक शिक्षक द्वारा अपने शिक्षार्थी को दी गई शिक्षा और शैक्षिक विकास की भूमिका का अत्यंत महत्व हैं। उन्होंने शिक्षकों से अपेक्षा की कि वह कमजोर, असहाय वर्ग के बच्चों को अपनी ओर से निःशुल्क सेवाएं देने के लिए तत्पर रहें।

इस अवसर पर शिक्षक सतेन्द्र जैन गदियाना, शिक्षक शीलचंद्र जैन शास्त्री, एबीआरसी श्रीमती दीप्ति जैन, शिक्षिका अमृता लोहिया, जितेन्द्र जैन, अंतिम जैन, विशाल जैन, पुष्पेन्द्र जैन,

अभिषेक जैन मोना आदि शिक्षकों ने अपने अमूल्य सुझाव और विचार रखे तथा अपने अनुभव साझा किए। प्रखर वक्ता ब्र. अनिता दीदी ने आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज के महनीय अवदान को बताते हुए कहा कि तनावों से मुक्ति कैसे हो, व्यसन मुक्त जीवन कैसे बने, पारिवारिक संबंधो में सौहार्द कैसे स्थापित हो तथा शाकाहार को जीवन शैली के रूप में कैसे प्रतिष्ठापित किया जाये आदि यक्ष–प्रश्नों को बुद्धिजीवियों, प्रशासकों, पत्रकारों, आधिवक्ताओं,शासकीय, अर्द्ध शासकीय व निजी क्षेत्रों के कर्मचारियों व आधिकारियों, व्यवसायी, छात्रों–छात्राओं आदि के साथ परिचर्चाओं, कार्यशालाओं, गोष्ठियों के माध्यम से उत्तरित कराने के लिए एक ओर एक रचनात्मक संवाद स्थापित किया तो दूसरी ओर श्रमण संस्कृति के नियामक तत्वों एवं अस्मिता के मानदंडों से जन–जन को दीक्षित कर उन्हें जैनत्व की उस जीवन शैली से भी परिचित कराया जो उनके जीवन की प्रामाणिकता को सर्वसाधारण के मध्य संस्थापित करती है।

नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता हैं। उन्होंने कहा एक शिक्षक में शि से शिष्टाचार, क्ष से क्षमाभाव और क से कर्तव्य निष्ठा होना चाहिए । इस अवसर पर संचालन करते हुए डॉ. सुनील संचय ने कहा कि पूज्य आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज यह जानते हैं कि एक शिक्षक सब कुछ कर सकता हैं, राष्ट्र की तस्वीर व तकदीर एक शिक्षक बदल सकता हैं। यही कारण हैं कि आचार्यश्री अनेकानेक सम्मेलनों में शिक्षक सम्मेलन को ज्यादा महत्व प्रदान करते हैं। आचार्यश्री के सान्निध्य में अनेक स्थानों पर शिक्षक सम्मेलन स्थानीय, जिला, मण्डलीय, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर हो चुके हैं, जिनकी अनूठी उपलब्धियां भी रही हैं। आचार्यश्री ज्ञानसागर जी का चिंतन फलक देश, काल, सम्प्रदाय, जाति, धर्म, सबसे दूर प्राणिमात्र को समाहित करता है, एक युग बोध देता है, नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता हैं। इस अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर, माहेश्वरी एकेडमी, शांतिसागर प्रायमरी स्कूल, प्रशांति विद्या मंदिर, दिगम्बर जैन सुधासागर इंटर कालेज, सिद्धि सागर, स्याद्वाद बाल संस्कार केंद्र, वर्णी जैन इंटर कालेज, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत सैकड़ो शिक्षक–शिक्षिकाएं प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संचालन डॉ.सुनील संचय ने किया । आभार जैन पंचायत के चुनाव अधिकारी सतेन्द्र जैन गदियाना ने व्यक्त किया। स्वागत अक्षय अलया ने किया।

32 साल बाद आचार्यश्री का पपौराजी में भव्य मंगल प्रवेश

विशाल जैन पवा। टीकमगढ़। वीर बुंदेलखण्ड में मध्य प्रदेश की पावन धरा पर स्थित श्री 1008 अतिशय क्षेत्र पपौराजी में राष्ट्रसंत शिरोमणि 108 आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी महाराज का ससंघ मंगल प्रवेश प्रातःकाल की बेला में हुआ। जिसके लिए क्षेत्र प्रबंध समिति ने भव्यता के साथ अगवानी की तैयारियाँ पहले ही पूर्ण कर ली थी। आचार्य श्री ससंघ विहार करते हुए सोमवार को घुवारा, मंगलवार को सिद्ध क्षेत्र फलहोड़ी बड़ागांव एवं बुधवार को ग्राम समर्रा पहुँचे तो भारी संख्या में धर्मावलंबियों ने आहार चर्चा में पुण्यार्जन किया एवं विहार में दर्शनों का लाभ लिया। किसी ने सच ही कहा है कि ''जिनके दर्शन को पाकर के खिलती मुरझाई हृदय कली'' जो सभी जैन और जैनेत्तर श्रद्धालुओं के मन में चरितार्थ हुई। ग्राम समर्रा में आचार्य श्री के चरण पड़ते ही भारी अतिशय देखने को मिला, मंदिरजी में तीन माह से सूखे पड़े कुएं में अचानक पानी आना शुरु हुआ जो गुरुवार को तीन फुट हो गया जिसका उपयोग सभी चौकों में आहार व्यवस्था के लिए किया गया । जिसे देखकर सभी धर्मावलंबी हतप्रभ रह गये एवं ऐसा अद्भुत दृश्य देखकर उन्हे अत्यंत खुशी हुई । सायंकाल आचार्य श्री का मंगल विहार पपौराजी की ओर हुआ तो ससंघ कदम ग्राम पठा में रात्रि विश्राम के लिए रूके । सुबह राष्ट्रसंत आचार्य प्रवर विद्यासागरजी महाराज का ससंघ मंगल प्रवेश अतिशय क्षेत्र पपोराजी में भव्य जुलूस के साथ हुआ एवं यह दिन टीकमगढ़ जिला के लिए स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जावेगा । पपोराजी में आज अब तक का सबसे बड़ा इतिहास रचा गया। लगभग साढे चार किमी लम्बी शोभा यात्रा में देश भर के करीब 1लाख श्रद्धालु शामिल हुए । भक्तो का सैलाब इस कदर था कि सब ओर, कोई और छोर दिखाई ही नही दे रहा था ।

* पूज्य आचार्यश्री जी के मंचासीन होते ही बाल ब्र. श्री सुनील भैयाजी इन्दौर द्वारा बड़ी ही कुशलता से बोलियाँ प्रारंभ की गई। देखते ही देखते पाद प्रक्षालन की बोली 100–100 कलश पार कर गई। * इसके अलावा भी कई बोलियाँ लगाई गई जो अभूतपूर्व थी। सहस्त्रकूट जिनालय में स्थापित होने वाली दो प्रतिमाओं के अनावरण भी सम्पन्न हुए। * **बनेगा सहस्त्र कूट जिनालय–** पपोराजी में बनने वाले इस भव्य जिनालय का निर्माण स्वर्ण वर्ण के पीले पत्थर से किया जावेगा। इस जिनालय के सम्पूर्ण रूप से निर्माण के पुण्यशाली पून्यार्जक बनने का सौभाग्य प्राप्त किया श्रेष्ठी श्री राजा जैन कारी परिवार टीकमगढ़ (अनुमानित निर्माण लागत 700 कलश)। प्रतिभा स्थली के निर्माण को मिली स्वीकृति हुई घोषणा । पूज्य आचार्यश्री का ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाले शिक्षा और संस्कार प्रदान करने हेतु भारत की चौथी और मप्र की दूसरी प्रतिभा स्थली पपोराजी में प्रारंभ करने की घोषणा आज कर दी गई। प्राप्त जानकारी अनुसार इसी वर्ष

108 बेटियों के प्रवेश के साथ एक नव निर्मित अन्य भवन में प्रतिभा स्थली प्रारंभ कर दी जावेगी। प्रतिभा स्थली हेतु अपने प्रथक भवन का शिलान्यास भी अतिशीघ्र होने जा रहा हैं। यह भवन लगभग एक वर्ष में तैयार हो जावेगा।

हमारे नगर.... हमारे मंदिर....

पपौराजी (टीकमगढ़) जैन तीर्थ

टीकमगढ़ से मात्र 5 किलोमीटर दूर सागर–टीकमगढ़ मार्ग पर पपौराजी जैन तीर्थ हैं, जो कि बहुत प्राचीन हैं। यहां पर 108 मंदिर हैं, जो कि सभी प्रकार के आकार में बने हुए हैं, जैसे रथ आकार, कमल आकार एवं कई सुन्दर भोंयरे भी हैं। इस क्षेत्र में मंदिर रचनाशिल्प और कलात्मकता की दृष्टि से अद्वितीय है। पत्थरों पर खुदाई इतनी स्पष्ट हैं, मानो कलाकारों ने पत्थर को मोम बनाकर सांचे में ढाल दिया हो। इन मंदिरों में खजुराहो की तरह पाषाण प्रतिमाओं की कलात्मकता देखते ही बनती हैं।

वास्तुकला का अद्भुत स्वरूप हैं ये मंदिर ...– क्षेत्र पर जो चौबीसी बनी हैं, वह भारतवर्ष में अन्यत्र देखने को नहीं मिलती। इसमें एक बड़े मंदिर के चारों ओर प्रत्येक दिशा में 6–6 मंदिर हैं। प्रत्येक वेदिका की अलग से परिक्रमा को चतुर्दिक झरोखों के रूप में जिस तरह से निर्मित किया गया हैं, वह वास्तुकला का अद्भुत नमूना हैं। यहां पर प्राचीन समुच्चय या सभा मंडल हैं। इसके मध्य में एक मंदिर हैं और उसके चारों ओर 12 कलात्मक मठ हैं, जो समवशरण की सभा के द्योतक हैं। इसे देखकर ऐसा प्रतीत होता हैं कि यह प्राचीनकाल में तपोभूमि रहा होगा, जहां पर साधुजन निवास करते होंगे।

प्राचीन समुच्चय के समीप दो विशाल भोंयरे (भूगर्भ स्थित मंदिर) हैं जिसमें संवत् 1202 की अत्यंत प्राचीनतम प्रतिमाएं हैं, जो देशी पाषाण से निर्मित होते हुए भी अपनी चमक ओर आर्कषण से 900 वर्ष बाद भी मानव को आश्चर्यचकित कर देती हैं। भगवान पार्श्वनाथ की दुर्लभ पद्मावती संयुक्त अद्वितीय कलात्मक प्राचीन प्रतिमा, जिसके चारों ओर चित्र बने हुए हैं, अत्यंत मनोज्ञ हैं। इस प्रतिमा के सौन्दर्य को देखकर भक्त आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

पपौराजी में अतिशयकारी 'पतराखन कुआं' – यह घटना विक्रम संवत् 1872 की हैं। एक वृद्धा मां द्वारा मंदिर का निर्माण कराया गया। इसकी मांगलिक बेला पर अपार जनसमूह को प्रीतिभोज दिया जा रहा था। पानी की पूर्ति कुओं के खाली हो जाने के कारण असंभव –सी प्रतीत होने लगी। पानी के अभाव से लोग व्याकुल होने लगे और वृद्धा मां के संबंध में अनर्गल बोलने लगे, तो वृद्धा मां अत्यंत दुखी होकर रोने लगीं और तुरंत उसने प्रतिज्ञा ली कि जब तक पानी की व्यवस्था नहीं हो जाती, मैं अन्न –जल ग्रहण नहीं करूंगी। ऐसा कहकर वे कुएं की तलहटी में समाधि अवस्था में बैठ गईं। कुछ ही समय में कुएं में पानी के अनेक स्त्रोत फूट निकले और वह वृद्धा मां उस पानी के साथ ऊपर आती गई । यहां तक कि पानी कुएं से भी बाहर आ गया । उपस्थित जनसमूह द्वारा देवों से प्रार्थना करने पर ही पानी कुएं से निकलना बंद हुआ। तभी से यह कुआं 'पतराखन' के नाम से जाना जाता हैं।

हार्दिक बधाई

चियांमाय थाईलैंड में सम्पन्न हुई एशियन यूथ चैस चैंपियनशिप 2018 के अंडर 14 बालिका वर्ग में म.प्र. एवं भारत की लाडली बेटी 14 वर्षीय 1894 अंतरराष्ट्रीय फिडे रेटिंग प्राप्त शतरंज खिलाडी नित्यता जैन ने भारतीय टीम को एशियन गोल्ड मैडल दिलाकर एवं इसी वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में एशियन कांस्य पदक जीतकर प्रदेश एवं देश को गौरान्वित किया |व्यक्तिगत चैंपियनशिप में नित्यता जैन को कांस्य स्थान प्राप्त हुआ । दिव्या के व्यक्तिगत संयुक्त प्रदर्शन के कारण भारत को टीम स्पर्धा का गोल्ड मैडल प्राप्त हुआ । यह नित्यता के भारत के लिए पहले अंतरराष्ट्रीय मेडल्स हैं । इन मेडल्स को जीतने के कारण नित्यता को वर्ल्ड चेस फेडरेशन द्वारा वुमन कैंडिडेट मास्टर (WCM) की उपाधि भी प्रदान की गई । अब चैस की दुनिया में इससे बड़ी उपाधि मिलने तक नित्यता को WCM नित्यता जैन के नाम से जाना जाएगा । नित्यता मध्यप्रदेश की पहली महिला खिलाड़ी हैं जिसे यह उपाधि प्रदान की गई । हाल ही में नित्यता नेशनल स्कूल चैस चैंपियन 2018 बनी थी । मात्र 14 साल की नित्यता कई इंटरनेशनल एवं रेटिंग टूर्नामिंट्स में वूमन इंटरनेशनल मास्टर खिलाड़ी को हरा चुकी हैं एवं इंटरनेशनल मास्टर खिलाडियों को बाजी ड्रा के लिए मजबूर कर चुकी हैं। लगभग 15 बार अलग अलग वर्गों में म.प्र. राज्य विजेता नित्यता पिछले 3 सालों से लगातार म.प्र. सीनियर महिला चैंपियन भी हैं ।

डॉ. पंकज जैन की पुस्तक को राष्ट्रीय पुरस्कार

शासकीय महिला पालीटेक्निक महाविद्यालय में विभागाध्यक्ष के पद पर पदस्थ डॉ. पंकज जैन द्वारा लिखित पाठ्यपुस्तक विपणन प्रबंधन जो कि राजीव गांधी प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाती हैं का चयन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा राष्ट्रीय तकनीकी पाठ्य पुस्तक पुरस्कार 2016 हेतु किया गया हैं डॉ. जैन को पुरस्कार में 31 हजार रुपए नगद एवं सम्मान पत्र प्रदान किया जावेगा। 4 मई को नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री भारत सरकार डॉ. सतपाल सिंह द्वारा श्री जैन को पुरस्कृत किया गया। डॉ. जैन को गतवर्ष भी उनके द्वारा लिखित पाठ्यपुस्तक वित्तीय लेखांकन पर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानीत किया जा चुका हैं । डॉ. जैन एक लेखक एवं प्राध्यापक के साथ ही राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं मोटीवेटर भी हैं । नगर की कई सामाजिक संस्थाओं में आपकी सक्रिय भूमिका रहती हैं ।

संकल्प लें अपने माता–पिता को कभी भी दुख ना दें –

पुष्पेन्द्र मोदी, बाकल । जिसने अपनी आत्मा को जान लिया उसे आगे कुछ भी जानने की आवश्यकता नहीं । भगवान महावीर की अहिंसा की व्याख्या तथा उनकी करुणा एवं दया विश्वभर में जानी जाती है । महावीर जैन समाज के ही नहीं बल्कि जन जन के थे । उनके सिद्धांत सभी वर्ग के लिए थे जैसे सूर्य का प्रकाश, वृक्षों की छाया । सभी मौलिक होती है । उसी तरह भगवान महावीर ने कभी नहीं कहा कि मै जैन हूं जिन के उपासक जैन होते है । जैन उत्कृष्ट जीवन जीने की शैली है । उक्त आशय के सारगर्भित उद्‌गार भगवान महावीर स्वामी की 2617वीं जयंती के अवसर पर 108 आचार्य गुरुवर विद्यासागरजी महाराज की परम प्रभावक शिष्य 105 पूर्णमति माताजी ने विशाल धर्मसभा में व्यक्त किये । उन्होंने कहा कि मां के उपकारों का बिल पूरा देश बेच कर भी नहीं चुकाया जा सकता । माता पिता तो माली की तरह होते हैं जो अपने द्वारा लगाई गई बेल को ऊंचाई तक जाते देखना चाहते है । भगवान महावीर का उदाहरण देते हुए कहा कि गर्भ में मां को तकलीफ ना हो इसको लेकर उन्होंने अपनी हलचल भी रोक दी थी, आज संकल्प लें अपने माता पिता को कभी भी दुख ना दें ।

प्रात: अभिषेक अपराह्न निकली श्रीजी की शोभायात्रा ; कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रात: श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अभिषेक पूजन, सामूहिक शांतिधारा संगीत में पूजन अर्चन तथा दोपहर में बैंड बाजों के साथ श्री जी की भव्य बैंड बाजों के साथ शोभायात्रा नगर भ्रमण के लिए गुरुमति माताजी, ध्येयमति माताजी, आत्ममति माताजी, संयतमति माताजी की सत्संग सानिध्य में निकाली गई । जो श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर पुलिस लाइन अवंतीबाई तिराहा बस स्टेण्ड होते हुए वापस मुख्य समारोह स्थल पहुंची । जहां पर प्रमुख पात्रों की बोलियां ली गई तथा ब्रह्मचारी आशुतोष जैन, शुभम राज जैन जबलपुर द्वारा महावीर विधान का आयोजन किया गया । रात्रि में संगीत भारती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सानंद संपन्न किया गया । आयोजन में प्रमुख रुप से बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही । कार्यक्रम का संचालन विमल सिंघई, संजय मोदी द्वारा किया गया ।

महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया

कल्याण, संजय जैन। महावीर स्वामी का जन्म महोत्सव के साथ आचार्य श्री विद्यासागरजी के 50 व दीक्षा दिवस के अंतर्गत सयंम स्वर्ण महोत्सव के अवसर पर श्री 1008 चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, कल्याण में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ इसे मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री 1008 भगवान महावीर स्वामीजी को पांडुशिला पर विराजमान किया गया फिर उसके बाद इन्द्रों द्वारा उनका अभिषेक और शांतिधारा की गई। भगवान महावीर स्वामीजी की सामूहिक पूजा में समाजजनों ने भाग लिया । श्री संजय जैन, सुनील जैन एवं श्रीमती प्रतिभा जैन ने गीतों के साथ पूजा और भजन गाये। समाजजनों ने इस धार्मिक उत्सव में पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ अपनी धार्मिक भावनाओं का परिचय देते हुए बहुत ही आनंद लिया। इंद्र इन्द्राणी आदि ने नृत्य आदि किये। 10 बजे श्री 1008 चन्द्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिरजी से बैंड बाजों के साथ भव्य शोभा यात्रा निकली गई जो कि मुख्य मार्ग से होती हुई ब्राह्मी सभा हाल तक गई। श्रावकों ने भजनों के साथ गरबा खेला और जिनवर की भक्ति गाते नाचते हुए कार्यक्रम स्थल गए। इस चल समारोह का संचालन श्री अभय जैन, जिनेन्द्र वैद्य, जयंत किल्लेदार, विपिन जैन, प्रदीप जैन, श्री श्रेयांश कासलीवाल एवं महिलाओ में श्रीमती रेखा जैन, मंजू जैन, अर्चना जैन, शिरस जैन, श्रीमती बबिता मोदी आदि समाज की महिलाओं ने किया। जुलूस का मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा जैन समाज की महिलाओं द्वारा किया जा रहा गरबा था। इस बार के महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक और सयंम स्वर्ण महोत्सव पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पी.एन. जैन(टाटा मेमोरियल, मुंबई) साथ में श्रीमती वंदना सल्गिया (ऊर्जा मंडल मुंबई की महामंत्री और महाराष्ट्र विद्युत मंडल) विशेष अतिथि ठाणे को आमंत्रित किया गया। मुख्य अतिथि और विशेष अतिथि का स्वागत श्रीफल भेंटकर किया गया । उनके द्वारा दीप प्रज्जवलित कर सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। नृत्य द्वारा मंगला चरण जिसे श्रीमती मीनी कासलीवाल, दीपशिखा जैन और श्रीमती सपना गंगवाल ने प्रस्तुत किया। इसके बाद पाठशाला के बच्चों ने फैंसी ड्रेस जैन धर्म पर आधारित की प्रस्तुति दी, दोनों ही कार्य को समाजजनों और अतिथियों ने बहुत ही सराहा । महिलाओं ने भगवान महावीर स्वामीजी के भजन और बधाई गाए। श्रीमती रेशु जैन ने नेमिनाथ और महावीर स्वामी के ऊपर भजन गाए। मंच का संचालन श्री संजय जैन ने किया । जिन्होंने बीच बीच में अपने ही अंदाज में गीत भजन और धार्मिक शायरी आदि के द्वारा समां बांधा, जिसके कारण कार्यक्रम में चार चाँद लग गए और कही भी कार्यक्रम में नीरसता नहीं आई । उनके मंच संचालन को सकल जैन समाज ने बहुत ही सराहा । कु. मिनी जिनेन्द्र वैद पुत्री श्रीमती शिरस जैन ने महावीर स्वामी जी के बारे में अपने विचार रखें । जैन समाज के साथ साथ मुख्य और विशेष अतिथियों ने बहुत बहुत सराहा । डॉ. पी.एन जैन जी ने जैन धर्म पर अपने संक्षिप्त उद्‌बोधन में बहुत ही सटीक विचार रखें । श्रीमती वंदन सालगियाजी ने अपने विचारों में जैन धर्म और जैन परम्पराओं पर जैन समाज के लोगों को ध्यान खींचा । समाज के प्रतिभाशाली बच्चों का भी सम्मान किया गया, इस बार दो लडकियों ने 10वीं में जैन समाज का नाम रोशन किया । जिन्होंने 90% के उपर अंक अर्जित किये, इसके लिए दोनों को मेडल के साथ प्रशस्ति पत्र, मुख्य और विशेष अतिथियों द्वारा दिया गया जो कि हर वर्ष की तरह श्रीमती चन्द्रप्रभा माताश्री संजय, अर्चना जैन की ओर से थे । पाठशाला के बच्चां को भी पुरस्कार आदि दिये गये । अंत में मुख्य और विशेष अतिथियों को सकल दिगम्बर जैन समाज एवं श्री 1008 चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंडल, कल्याण द्वारा स्मृति चिन्ह् श्री बकारियाजी, श्रीमती मीता कासलीवाल और श्रीमती कल्पना एवं श्रीमती रेखा जैन ने भेंट किये । अंत में श्री जयंत किल्लेदारजी ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव साआनंद संपन्न

भिण्ड

मनोज जैन । प्रातः कालीन भगवान के जन्म के पश्चात् दोपहर में सकल जैन समाज ने जन्म की खुशी में विशाल शोभायात्रा मुनि श्री विश्रुत सागर महाराज के ससंघ सान्निध्य में किला गेट से विशाल शोभा यात्रा निकली । जगह जगह तोरण द्वार श्रद्धालुओं के स्वागत में लगे हुये थे । लोग भक्ति नृत्य करते हुये चल रहे थे । बजरिया, सदर बाजार पर जब शोभायात्रा का आगमन हुआ तो श्रद्धालुगण भगवान की आरती एवं मुनि श्री का पाद प्रक्षालन करने के लिए आतुर हो रहे थे यह शोभायात्रा भूता बाजार, पुस्तक बाजार होते हुये कीर्तिस्तंभ पहुंची । जहां पर भगवान का महामस्तकाभिषेक 108 कलशों से किया गया ।

इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी का प्रमुख सूत्र था अहिंसा । इनके नाम से कई कार्य भारत वर्ष में हो रहे हैं । शांति हमेशा अहिंसा से ही मिल सकती हैं इसलिए हमे अहिंसा के मार्ग पर चलकर भगवान महावीर के सिद्धांतो को अपने जीवन में उतारना चाहिए ।

कार्यक्रम में उपस्थित विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी के पद चिन्हों पर चले, जिन्होंने कठिन तपस्या से इन्द्रियों पर विजय पाई और मोक्ष गति को प्राप्त हुये आज हम सभी ऐसे तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक मना रहे हैं । वहां पर उपस्थित जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष संजीव सिंह कुशवाह ने कहा कि भगवान महावीर स्वामीजी ने जो जिओ और जीने दो संदेश दिया आज हम सभी उनका पालन करे तो निश्चित ही देश में अमन, चैन, शांति का वातावरण निर्मित होगा ।

भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ने कहा कि आज भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के अवसर पर हम सभी इस कीर्तिस्तभं परिसर में एकत्रित हुये मैं यहां सभी लोगों के समक्ष यह बात रखना चाहता हूँ कि यह कीर्तिस्तभं परिसर जैन समाज की धरोहर हैं जिसे तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाशचंद सेठी ने जैन समाज को प्रदान की थी इसका आज तक हस्तांतरण नही हुआ हैं इसके लिए सभी राजनैतिक दलों को सहयोग करना होगा जिससे यह स्थान जैन समाज को हस्तांतरित हो।

इस अवसर पर डी.एम. डॉ. इलैया राजा टी, नगरपालिका अध्यक्ष कलावती मिहोलिया, राजकुमारी जैन, सीमा जैन, स्नेहलता जैन, संगीता जैन, नगरपालिका उपाध्यक्ष रामनरेश भार्माजी, दीनदयाल अंत्योदय समिति अध्यक्ष विमल जैन, मुकेश जैन, अमित जैन, अशोक जैन, मनोज जैन, प्रमोद जैन सर्राफ (डब्बू), जगदीश जैन, राजकुमार जैन, कमल जैन, नरेश जैन, नीरज जैन, वीरेन्द्र शिवहरे, राजेश जैन, मनोज जैन अकोढ़ा आदि बढी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कटनी

1008 भगवान महावीर जन्मकल्याण के उपलक्ष्य में गौरक्षा समिति एवं जैन व्यापारी संघ द्वारा वात्सल्य भोज का आयोजन कपडा बाजार में किया गया। जिसमें विशेष अतिथि राकेश जैन कक्का, प्रेमी भैया, एड आलोक जैन, मन जैन श्रीमती आराधना जैन, दिनेश चौधरी थे। कार्यक्रम के उद्बोधन में बताया गया कि यह भगवान महावीर का संदेश जिओ और जीने दो सर्व धर्म सबका कल्याण हो दिया । इस वात्सल्य भोज में जैन समाज के लोगो सहित हजारों नगरवासियो ने आनंद लिया ।

पवा, तालबेहट

विशाल जैन, पवा, तालबेहट । सिद्ध क्षेत्र पावागिरिजी सहित कस्बे के दोनों जैन मंदिरों एवं समीपस्थ ग्राम पवा, कड़ेसरा, विरधा, गुंदेरा, कंधारीकलां माताटीला आदि के जैन मंदिरों में वर्तमान शासन नायक 24वें तीर्थंकर पंचम बालयति उपसर्ग विजेता भगवान श्री 1008 महावीर स्वामी जी का 2617 वां जन्म कल्याणक महामहोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अहिंसा अनेकांत और अपरिग्रह के महाप्रणेता की जयंती पर सुबह प्रभात फेरी के उपरांत अभिषेक शांतिधारा पूजन एवं भगवान महावीर स्वामी महामंडल विधान का आयोजन किया गया। जन्म कल्याणक की क्रियाओं में मंगल भजनों के मध्य भगवान का पालना झूलन कराया। पावागिरिजी में आयोजित श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान के मध्य दशम प्रतिमाधारी ब्रह्मचारी अशोक भैयाजी लिधौरा के दिशा निर्देशन में श्री जी की शोभायात्रा निकाली गई। दोपहर की बेला में कस्बे के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें तैलीय चित्रों की झांकी, भगवान महावीर स्वामीजी को विमान में लेकर श्रद्धालु, बग्गी में सवार धर्मध्वजा लेकर श्रेष्ठीजन पं विजय कृष्ण शास्त्री, चौधरी सनत कुमार, आनंद जैन, डॉ. महेन्द्र कुमार थे। डी जे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, मंगल गीत गाती हुई महिलाएं, सत्य-अहिंसा एवं जियो और जीने दो के नारे लगाते हुए धर्मावलंबियों ने नगर भ्रमण करते हुए वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर से वापस बड़े मंदिरजी पहुँचे, भक्तों ने मंगल आरती उतारी एवं विमानोत्सव का स्वागत किया। तत्पश्चात ध्वजारोहण, कलशाभिषेक, फूलमाल का आयोजन किया गया जिसमें नगर के श्रेष्ठीजनों की उपस्थिति रही। रात्रि में महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए । जिसमें वीर सेवा दल, भारतीय जैन मिलन वासुपूज्य शाखा एवं महिला मंडल, अहिंसा सेवा संगठन सहित सकल दिगम्बर जैन समाज की सहयोग रहा । संचालन पार्षद प्रतिनिधि चौधरी चक्रेश जैन एवं आभार व्यक्त विशाल जैन पवा ने किया।

जबलपुर

अरविन्द जैन । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महावीर जयंती के अवसर पर वृद्धाश्रम एवं कुष्ठाश्रम में भगवान महावीर के संदेशों का वाचन संस्था संरक्षक श्री राजकुमारजी जैन एस.बी.आई. द्वारा किया गया। तदोपरांत फल वितरण का कार्य किया गया। समापन संस्था अध्यक्ष श्री अरविंद जैन द्वारा किया गया। फल वितरण समारोह में संस्था के पूर्व अध्यक्ष जय कुमार जैन, उपाध्यक्ष श्री अश्विन जैन, कोषाध्यक्ष आलोक जैन एवं महासचिव डॉ. सुनील जैन का विशेष सहयोग रहा। भगवान महावीर स्वामी के जन्मदिवस पर भव्य शोभायात्रा हनुमानताल जैन मंदिर से रजत रथ एवं पालकी निकाली गई। शोभा यात्रा में दो रजत रथ, दो काष्ठ रथ एवं 21 पालकियां शामिल थी जो कि सामाजिक धार्मिक उद्देश्य दे रही थी । शोभायात्रा में आर्यिका मृदुमति माताजी, आर्यिका निर्णयमति माताजी, आर्यिका सत्यमति माताजी, क्षुल्लक श्री प्रथम सागर एवं संयोग सागर महाराज के सानिध्य में निकाली गई जो कमानिया गेट, अंधेरदेव, करमचंद चौक, मालवीय चौक, लार्डगंज होते हुये बड़े फुहारे में समाप्त हुई शोभायात्रा में शामिल जैन नवयुवक सभा के कार्यकर्ता पगड़ी बांधे हुये चल रहे थे वही महिलायें पीली साड़िया धारण किये हुये थी । शोभायात्रा में राज्यमंत्री श्री शरद जैन, सांसद श्री राकेश सिंह, महापौर डॉ. स्वाति सदानंद गोडबाले, आनंद राव, पूर्व मंत्री श्री अजय विश्नोई, धीरज पटैरिया, सोनू बचवानी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अरूण यादव, जिला अध्यक्ष श्री दिनेश यादव, श्री सत्यम जैन एवं राकेश चौधरी आदि शामिल रहे। वैश्य महासम्मेलन के श्री मनोज सेठ, संदेश जैन, राजेश अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, मिर्ची सेठ, द्वारा मालवीय चौक पर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। जगह जगह पर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। रात्रि में कमानिया गेट पर अहिंसा सम्मेलन एवं श्री गणेशप्रसाद वर्णी पाठशाला के बच्चों द्वारा भक्ताम्बर पर आधारित एक नृत्य नाटिका का मंचन किया गया जिसमें भारी संख्या में दर्शनार्थियों ने कार्यक्रम की सराहना की ओर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया । कार्यक्रम के अंतिम चरण में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

छतरपुर

सनत जैन । 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की 2617वीं जन्मजयंती विविध धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्योक्रमों के साथ हर्षोल्लास से मनाई गई । इस अवसर पर नगर के सभी जैन मंदिरों को मनमोहक रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया है । महावीर जंयती के पावन पर्व पर श्री नेमिनाथ जिनालय से प्रात: 8 बजे भगवान महावीर स्वामी की एक भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई । इस शोभा यात्रा में देश का ख्यातिप्राप्त बैंड दल श्री जैन ऋषभ दिव्यघोष, टीकमगढ़ तथा छतरपुर की धमाल व बैंड पार्टी दर्शकों के बीच विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा । भजन मंडली भी ढोल मजीरों के साथ मधुर भजन गाते चल रही थी । शोभा यात्रा में शामिल सभी धर्मप्रेमी स्त्री-पुरुष, युवाजन एवं बच्चे अपनी निर्धारित वेशभूषा तथा चिर परिचित अनुशासन में सभी का मन मोह रहे थे । रात्रि में अजितनाथ जिनालय मेला ग्राउंड परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की लुभावनी प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया । भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव का शुभारंभ कोतवाली के समीप स्थित श्री नेमिनाथ जिनालय से एक भव्य और विशाल शोभायात्रा से हुआ । यह शोभायात्रा महल रोड़, छत्रसाल चौक होते हुए मेला ग्राउंड स्थित श्री अजितनाथ जिनालय पहुंची । दूसरी और डेरा पहाड़ी क्षेत्र की जैन समाज भी श्रीजी की शोभा यात्रा के साथ मेला ग्राउंड पहुंचकर इस मुख्य शोभा यात्रा में सम्मिलित हो गई । यहां श्री अजितनाथ जिनालय में दर्शन वंदन और मेला ग्राउंड स्थित कीर्तिस्तंभ पर जैन पंचरंगा ध्वज फहराने के बाद यह शोभा यात्रा आकाशवाणी तिराहा, बस स्टेण्ड, चौक बाजार होते हुए पुन: श्री नेमिनाथ जिनालय पहुंचकर हर्षोल्लास संपन्न हुई। इस शोभायात्रा में इस बार भी ड्रेस कोड के तहत पुरुष एवं युवा वर्ग सफेद कुर्ते पैजामे व सिर पर सफेद टोपी, महिलाएं केशरिया साड़ी और बच्चे अपनी मोहक वेशभूषा में दो-दो की लाइन में चलते हुए महावीर स्वामी के संदेश 'जियो और जीने दो' तथा 'अहिंसा परमो: धर्म' का उद्घोष करते एवं भगवान महावीर का जयकारा लगाते चल रहे थे । आकर्षक बैंड पार्टी, कतारबद्ध श्रद्धालु, फहराते जैन ध्वज लिए बच्चे आदि इस शोभायात्रा की शोभा में चार चांद लगा रहे थे ।

शोभायात्रा के बाद जिला अस्पताल में मरीजों तथा वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के स्वास्थ्य लाभ की कामना के साथ समाज के युवा सदस्यों ने फल वितरित किए । दोपहर में कोतवाली के पास स्थित जैन मंदिर में श्रीजी का मंगल अभिषेक-पूजन धार्मिक विधि विधान के साथ हुआ । सायंकाल नगर के जैन मंदिरों, डेरापहाड़ी जैन मंदिर, चेतगिरी जैन मंदिर तथा ग्रीन एवेन्यू में नवनिर्मित मनोज्ञ जैन मंदिर में श्रीजी की संगीतमय सामूहिक आरती विश्व कल्याण की कामना के साथ की गई । इस बार श्री अजितनाथ जिनालय मेला ग्राउंड के परिसर में बच्चों एवं युवाओं के मोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भरपूर आनंद दर्शकों ने लिया ।

ककरहटी

अंकित जैन । जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर एवं सत्य अहिंसा के अग्रदूत और सदाचार का प्रचार प्रसार करने वाले श्री 1008 श्री महावीर स्वामीजी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में जैन धर्मावलंबियों द्वारा जैन मंदिर से गाजे बाजे के साथ दोपहर 3 बजे भगवान महावीर स्वामीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के बाजार मोहल्ला यादव मोहल्ला होते हुए बस स्टैंड स्थित प्राचीन बेदी पहुंची जहां पर स्वामीजी का विधि विधान के साथ पूजन किया गया एवं अभिषेक किया गया विश्व शांति के लिए शांति धारा की गई इसके उपरांत शोभायात्रा आगे बढी शोभायात्रा में महिलाएं पुरुष सभी छोटे बड़े शामिल हुए बैंड बाजों की मंत्रमुग्ध कर देने वाली धुन के बीच भक्तो ने ओतप्रोत गीत भजन गाए गए भगवान महावीर स्वामीजी के जियो और जीने दो के संदेश के साथ झूमते नाचते गाते हुए शोभायात्रा वापस जैन मंदिर पहुंची जहां पर शोभायात्रा का भव्य समापन किया गया शोभायात्रा में प्रमुख रूप से त्रिलोकचंद जैन, केवलचंद जैन, प्रशांत जैन, मंटू जैन, प्रशांत जैन, विजय जैन, संजय जैन, सचिन जैन, आशीष जैन, सुनील जैन, प्रमोद जैन, धीरू जैन, प्रबल जैन आदि लोग उपस्थित रहे।

भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव साआनंद संपन्न

इन्दौर

इन्दौर । भगवान आदिनाथ जन्मोत्सव से भगवान महावीर जन्मोत्सव तक हर वर्ष की तरह प्रतिदिन होने वाले घर घर मंगलाचार की कड़ी में इस वर्ष भी भजनों के रुप में भक्ति रस की अनवरत गंगा बहती रही । इन्दौर के अनेक मंदिरों में पिछले कुछ वर्षों से यह भजन श्रृंखला चलती आ रही है । इस वर्ष भी विजय नगर के श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर में प्रतिदिन महिलाओं ने सामूहिक रुप से भजन संध्या का आयोजन किया। इस कड़ी में स्कीम नं. 74 से भक्तामबर मंडल की महिलाओं ने भजनों के साथ ही पहली बार नृत्य गीतों की विशेष प्रस्तुति दी । बहुत कम तैयारी के बावजूद भी महिलाओं ने भगवान महावीर के जन्मोत्सव की बधाई की सुंदर और उत्साहपूर्ण प्रस्तुति दी जिसे उपस्थित महिलाओं ने भरपूर तालियों के साथ सराहा और अनुमोदना की । नृत्य में कल्पना बागो, कल्पना अजित, नेहा जैन, सविता जैन, कल्पना जैन, सुशीला काला, आभा सिंघई और अनुपमा जैन ने भाग लिया । गोलालारीय समाज के स्तुति महिला मंडल द्वारा आयोजित मासिक बैठक में भी महावीर जन्मोत्सव के पालना गीत गाये गये । विजय नगर मंदिर में "एक शाम महावीर के नाम" कार्यक्रम के अंतर्गत महावीर जन्म कल्याणक से संबंधित शानदार नृत्य नाटिका का मंचन किया गया । इसमें भगवान महावीर के गर्भ एवं जन्म कल्याणक के साथ ही पूर्व भव की झलकियां दिखाई गई । सर्वार्थसिद्धि से प्रभु का माता के गर्भ में आगमन, माता त्रिशला के सोलह स्वप्न, राजा सिद्धार्थ द्वारा स्वप्नों का फल बताना, देवलोक से इन्द्रों का धरती पर आगमन, अष्टकुमारियों द्वारा माता की सेवा, 15 माह तक कुबेर द्वारा रत्न वृष्टि, भगवान का जन्म, इन्द्रों द्वारा शिशु वर्धमान का पांडुक शिला पर सहस्र कलशों द्वारा जन्माभिषेक और प्रभु को पालना झुलाने आदि समस्त क्रियाएं जीवंत रुप से मंचित की गई । साधान मदावत के निर्देशन में महिला मंडल की सभी महिलाओं ने कार्यक्रम में पूर्ण उत्साह के साथ मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से सराहा । अगले दिन महावीर जन्मोत्सव का मुख्य आयोजन भगवान की शोभायात्रा के रुप में मनाया गया । नगर के सभी मंदिरों से आयोजित श्रीजी की शोभायात्रा पुनः स्थानीय मंदिरजी में कलशाभिषेक के साथ संपन्न हुई । दोपहर में राजबाड़ा पर परम्परागत विशाल शोभा यात्रा बड़े हर्षोल्लासपूर्व निकाली गयी जिसमें अनेक कालोनियों के मंदिरों व सोशल ग्रुपों द्वारा मनमोहक, शिक्षाप्रद झांकियां प्रदर्शित की गई थी, जिसे देखने के लिए हजारों की संख्या में शोभायात्रा पथ पर श्रावकगण मौजूद थे ।

जैन पाठशाला क्यों आवश्यक हैं ?

निर्णय आप स्वयं ही करे ? पुण्य कर्म का उदय कहो या हमारे से जो बड़े बुजुर्ग है उनका उपकार कहो की आज लगभग सब जगह पर जिनेन्द्र देव के दर्शन सुलभ हैं सभी क्षेत्र के गाँव में जैन मंदिर उपलब्ध हैं वो बात और हैं कि ज्यादातर लोग फिर भी नित्य देवदर्शन तक नहीं करते आप हँस रहे हैं कही आप भी उनमें शामिल तो नही ? दोष उनका नहीं हैं । शायद उनको जैन पाठशाला जाने का सौभाग्य नहीं मिला हो तो उन्हें अपने महान धर्म का महत्व ही नहीं पता चल पाया देखिये महानुभवो आप बड़ा सा स्कूल बना दीजिये अस्पताल बना दीजिये पर जैसे स्कूल का महत्व विद्यार्थियों ओर शिक्षक के बिना और अस्पताल का डॉ. के बिना कोई महत्व नहीं हैं चाहे भवन फिर कितना भी भव्य हो ठीक उसी तरह हम बड़े बड़े मंदिर तो बहुत बना रहे हैं बनाने भी चाहिए पर अगर जैन शिक्षा पर जोर नहीं दिया तो वो समय भी दूर नहीं जब मंदिर तो होंगे पर भक्त गायब हो जायेंगे बच्चों को पाठशाला भेजे ये भविष्य के लिए अति आवश्यक हैं । वर्तमान युग में आधुनिक पढ़ाई के कारण अभिभावक बच्चों को धर्म की शिक्षा देने में कतराते है जिसके कारण बच्चें अपने जैन धर्म व उनकी परम्पराओं से दूर होते जा रहे है । पढ़ाई पश्चात बच्चे अच्छी नौकरी या व्यवसाय में जाते है तो उनके मन में अपने धर्म के प्रति इतना श्रद्धा भाव नहीं रहता है । बस वे नाममात्र को ही दर्शन के लिए मंदिरजी में जाते है । तो सोचें हमने जिनेन्द्र देव को मंदिरजी में तो धूम धाम से विराजमान कर दिया परंतु बच्चों को धार्मिक संस्कार देना भूल गये । अतः बात के मर्म को समझे और निर्णय लेवे कि अपने क्षेत्र में पठशाला का गठन कर बच्चों को धर्म की शिक्षा प्रदान करें । समाज के श्रेष्ठीजन इसमें विशेष रूचि रखें, गर्मी के अवकाश में विशेष शिविर लगाकर बच्चों में धर्म के प्रति रुचि जागृत करने का प्रयास करें ।

सोनागिर में सिद्धचक्र महामंडल विधान संपन्न

अनुपमा जैन, इन्दौर । सिद्धक्षेत्र सोनागिर की पावन भूमि पर गत दिनों सिद्धों की आराधना का सहयोग बना । स्व. श्री लालचंदजी जैन नीमवाले, ललितपुर की धर्मपत्नी श्रीमती शशिप्रभा जो स्वयं प्रतिमाधारी श्राविका है और सोनागिर में रहकर धर्मसाधना कर अपने श्रावक जीवन को चरितार्थ कर रही है । असीम पुर्ण्याजन की भावना से उन्होंने सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया । इस महा विधान की मंडल रचना सोनागिर के तलहटी में स्थित 1008 श्री नेमीनाथ मंदिर पर की गई । प्रथम दिवस घटयात्रा निकाली गयी जिसमें बड़ी संख्या में बाहर से पधारे तीर्थयात्रियों के साथ स्थानीय श्रद्धालुओं ने भी पूरे उत्साह के साथ शोभायात्रा में भाग लिया। शोभा यात्रा मुख्य मंदिर से प्रारंभ होते हुए त्यागीव्रती आश्रम पहुंची जहां 108 श्री विवेकसागरजी महाराज को श्रीफल भेंट किया गया । शोभा यात्रा के समापन पर मंदिरजी में ध्वजारोहण, सकलीकरण, पात्र चयन आदि क्रियाएं संपन्न हुई । विधान के दौरान प्रतिदिन अभिषेक, शांतिधारा व नित्य नियम पूजन के पश्चात विधान की संगीतमय पूजा की गयी एवं अंतिम दिन विश्वशांति महायज्ञ विधान का समापन हुआ । विधानाचार्य पं. श्री चक्रेशजी बलदेवगढ़ के निर्देशन में सभी क्रियाएं विधिवत संपन्न की गयी । श्री वीरेन्द्रजी इटावा की संगीत मंडली के संयोजन में सुमधुर गीतों एवं भजनों की स्वरलहरियों ने धार्मिक आनंद को दुगुना कर दिया । विधान के बीच संगीत व नृत्य की प्रस्तुतियां श्रावकों द्वारा की गयी । संध्या के समय संगीतमय आरती व भजन पश्चात पं. राहुलजी जैन झांसी द्वारा शास्त्र प्रवचन का लाभ श्रावकों ने लिया । विधान के बीच क्षेत्र पर विराजित 108 श्री मेरुभूषण महाराज और आर्यिक 105 श्री कीर्तिमती माताजी का सानिध्य भी प्राप्त हुआ । सिद्धचक्र विधान में नीमवाले परिवार के सभी सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी । इसके अतिरिक्त झांसी, ललितपुर, नागपुर, सागर, पन्ना, ग्वालियर, गंज बासौदा, छतरपुर, विदिशा, इन्दौर से भी अनेक परिजन व सगे संबंधियों ने विधान में उपस्थित होकर धर्मलाभ लिया । विधान समापन के अवसर पर श्रीमती शशिप्रभा व उनके मामाजी सुगनचंद्र बडेरा वालों ने अपनी ओर से मंदिरजी के जीर्णोद्धार व मंदिरजी के दोनों ओर एक-एक बेदी के निर्माण हेतु दानराशि की घोषणा की । जिसका उपस्थित श्रावकों ने करतल ध्वनि से अनुमोदना की ।

❊ विनम्र श्रद्धांजली ❊

❊ स्व. श्री हुकुमचंदजी जैन की धर्मपत्नी श्रीमती **कमलाबाई जैन** का देवलोकगमन दि. 16 मार्च 18 को इन्दौर में हो गया । आप धार्मिक एवं सरल स्वभाव की महिला थी ।

❊ **श्री शिशुपाल जैन** (टेलीफोन) का देवलोकगमन दि. 16 मार्च 18 को इन्दौर में हो गया । आप सरल हृदय व्यक्तित्व के धनी थे ।

❊ स्व. श्री शांतिलालजी जैन के छोटे पुत्र **श्री जिनेन्द्रकुमार जैन** का देवलोकगमन 03 अप्रैल 18 को इन्दौर में हो गया । आप स्पष्टवादी एवं सरल हृदय स्वभाव के व्यक्तित्व थे । आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय न्यास इन्दौर को 5100/- एवं गोलालारीय दर्शन को 2100/- की धनराशि दान स्वरुप प्रदान की है ।

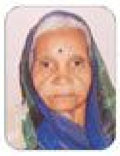

❊ **श्रीमती गेंदाबाई** धर्मपत्नी स्व. श्री शांतकुमारजी जैन का देवलोकगमन 4 अप्रैल 18 को जैतावारा, सतना में हो गया । आप अत्यंत सरल स्वभाव व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से सादर श्रद्धांजलि ।

नोट – विधिवत जानकारी प्राप्त होने पर ही शोक संदेश का सचित्र प्रकाशन किया जावेगा ।

आपके परिवार या नगर में धार्मिक/सामाजिक गतिविधियों की जानकारी प्रकाशित करने के लिए आप सचित्र जानकारी हमारे वाट्सएप्प नं. 9406744064 या हमारे ईमेल पर देवें ताकि जानकारी को समुचित स्थान प्रदान किया जा सके ।

जिन चैत्यालय में दो नवीन प्रतिमाएं विराजमान

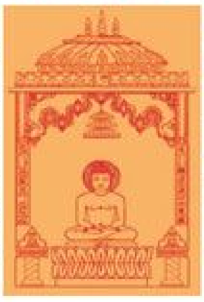

भोपाल के महावीर मेडिकल कॉलेज MIMS का जैन मंदिर परिसर भक्तिरस के रंग में रंगा दिखाई दे रहा था। अवसर था मंदिर की वेदी पर होने वाले भव्य प्रतिमा विराजमान समारोह का दोपहर 2 बजे जैसे ही अतिशय क्षेत्र पानीगांव में प्रतिष्ठित 1008 संभवनाथ एवं 1008 पार्श्वनाथ भगवान की मनोहारी प्रतिमाओ को मंदिर परिसर में लाया गया सारा प्रांगण जय जयकारों से गूंज उठा । 25 एकड़ में फैले अस्पताल एवं कॉलेज के विशाल परिसर की फेरी लगाती हुई शोभायात्रा मंदिर के द्वारा पर पहुँची, जहाँ शोभायात्रा की भव्य अगवानी की गई। बाल ब्रह्मचारी सुमत भैयाजी एवं अनिल भैयाजी द्वारा धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक शांतिधारा के पश्चात् नवीन प्रतिमाओं को वेदी पर विराजमान करवाया।

वेदी पर अब तीन प्रतिमाएं मूलनायक 1008 भगवान महावीर स्वामी के साथ ही अब असंभव को संभव करने वाले 1008 संभवनाथ भगवान एवं विघ्नहर्ता सुखकर्ता 1008 पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमाएं विराजमान हैं। प्रतिमाओ को विराजमान करने का सौभाग्य श्री नवलचंदजी किशोर कुमारजी डॉ. राजेश कुमार जैन परिवार को प्राप्त हुआ।

सुफल वास्तु

सफल जीवन के लिए...

सत्येन्द्र जैन
वास्तु कन्सलटेंट
एशिया एवं इंडिया बुक रिकार्ड होल्डर
9898020636

समस्या आपकी, समाधान हमारा-

* ✻ व्यापार/नौकरी की वृद्धि में अवरोध दूर कर आशातीत सफलता प्राप्त करें।
* ✻ निवास/व्यापार स्थान की भूमि ऊर्जा का परीक्षण। क्या यह आपकी प्रगति में सहायक है या अवरोधक है?
* ✻ सकारात्मक भूमि ऊर्जा के निर्माण द्वारा शांति व सुख-समृद्धि में वृद्धि।
* ✻ बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए घर में यथा योग्य स्थान का चयन।
* ✻ अविवाहित युवक-युवतियों के विवाह होने में अवरोधक तत्वों का वास्तु द्वारा निवारण।
* ✻ व्यापार का रुका हुआ पेमेन्ट अथवा कर्ज का वास्तु द्वारा निवारण।
* ✻ वास्तु द्वारा बहुत ही आसानी से अपने जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करें।

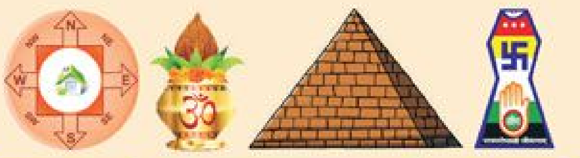

✻ जमीन ऊर्जा ✻ वास्तु संरचना
✻ व्यापार ✻ कर्ज ✻ अध्ययन ✻ विवाह
✻ सुख ✻ शांति एवं समृद्धि के लिए

5, धनलक्ष्मी सोसायटी, सी.एम.सी. के सामने, ओढ़व रोड़, अहमदाबाद - 382 415 (गुजरात)
मोबाइल : 9898020636 (वाट्सएप्प), 7007488116, ईमेल : SUFALVAASTU@gmail.com

फटे हुये जींस पहनना दरिद्रता को आमंत्रण देना हैं - आचार्य श्री

आप लोग भिन्न भिन्न प्रकार के हार गले में पहनते हैं और यदि नकली हो तो नहीं पहनेगे। लेकिन आज नकली आभूषण भी पहने जा रहे हैं। नकली आभूषणों,फटे वस्त्रो का प्रभाव व्यक्ति पर पडता हैं ज्योतिष शास्त्रों में इसका स्पष्ट उल्लेख हैं यहाँ तक की जिन फटे वस्त्रों को भिखारी भी नहीं पहनता उन जींस आदि वस्त्रों को फैशन के नाम पर बच्चे पहन लेते हैं इसका दुष्प्रभाव देखने में आ रहा हैं उक्त उद्गार डिण्डोरी में धर्म सभा को संबोधित करते हुए संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज ने कहे।

आचार्य श्री ने कहा कि -सोना खाया भी जाता हैं पहले रईस लोग सोना खाते थे क्या खाना, कैसे खाना इसका प्रभाव पडता हैं। हमारे पास एक विद्यार्थी आया वह फटा हुआ जींस पहने था वह भी एक एक जगह से नहीं कई जगह से फटा था हमने उससे कहा तो वह मान गया। वस्तुतः शिक्षा के साथ वस्त्र, आभूषण भी हमारे संस्कारों को दिखाते हैं। आप को क्या खाना हैं, क्या पहनना हैं ये आपके संस्कृति और संस्कारों दिखाने वाले हैं इसलिए माता पिता को इस ओर ध्यान देना चाहिए। आज हथकरघा में शुद्ध वस्त्रों का उत्पादन हो रहा हैं ये वस्त्र शरीर के गुण धर्म के अनुरूप तो हैं ही अन्य लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं और इनका उत्पादन पूरी तरह अहिंसक रूप से किया जा रहा हैं।

जैन समाज गुना ने लिया एक और अभूतपूर्व निर्णय

श्री दिगम्बर जैन समाज गुना मप्र की प्रबंधकारिणी समिति ने एक बैठक आयोजित कर, सर्वसम्मति से एक अहम निर्णय लिया कि -जैन समाज गुना के ऐसे परिवार जिनके बेटे-बेटियों के अंर्तजातीय विवाह आयोजित हो रहे हों उनमें प्रबंधकारिणी समिति का कोई भी सदस्य सम्मिलित नही होगा। इसके बारे में कठोरता से पालन करने का निर्णय लिया गया जिससे लगातार अल्पसंख्यक से अति अल्पसंख्यक की ओर जा रहे समाज पर आवश्यक ध्यान दिया जा सके। जैन समाज गुना इसके पहले भी कई अहम निर्णय ले चुकी हैं जिनका लगभग शत प्रतिशत पालन हो रहा हैं। ✻ पूज्य मुनिश्री समता सागरजी महाराज, मुनिश्री प्रमाण सागरजी महाराज की प्रेरणा से यहाँ किसी भी विवाह में बारात दिन में ही निकाली जाती हैं 99% विवाह दिन में ही सम्पन्न होते हैं। ✻ अब किसी भी वैवाहिक भोज में पानी सहित अधिकतम 21 आइटम ही बनाये जाते हैं। ✻ किसी भी भोज में आलू-प्याज जैसे जमीकंद का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। ✻ मृत्यु भोज में स्थानीय कोई व्यक्ति भोजन नही करता हैं। केवल रिश्तेदार या अतिथिगण ही भोज में शामिल होते हैं। ✻ शोक सभा मे केवल 3 सदस्य ही श्रद्धांजली व्यक्त करते हैं। कोई अगरबत्ती या पुष्प (फूल) अर्पण नही किये जाते हैं। ✻ देशभर की जैन समाज से अपेक्षा हैं, ऐसे अनुकरणीय निर्णय अपनी समाज मे भी लिए जावें।

1. 001
2. पलक श्रेयांस जैन
3. फणीश/गुड़ारे
4. 17.01.1993
5. 10.26
6. बासौदा
7. बी.ई. (इलेक्ट्रीकल्स)
8. 5'3''
9. गोरा
10. सर्विस - अहमदाबाद
11. -
12. हाँ
13. -
14. 27/32, टीट बिल्डिंग, इंदिरा नगर रतलाम
15. 9752192452

1. 002
2. धर्मेन्द्र विनोद कुमार जैन
3. बिल्लौआ/गुड़ारे
4. 09.07.1985
5. 21.45
6. -
7. डिप्लोमा मेकेनिकल इंजी.
8. 5'4''
9. गेहुँआ
10. सर्विस
11. 4.20 लाख
12. हाँ
13. -
14. चन्द्रनगर जिला छतरपुर
15. 9685683379, 8882359303

1. 003
2. रवीश रवीन्द्रकुमार जैन
3. सिंघई/धमसैया
4. 23.08.1990
5. 14.37
6. झांसी
7. बी.टेक. (आई.टी.)
8. 5'8''
9. गोरा
10. सर्विस - डेल, बेंगलोर
11. -
12. -
13. -
14. -
15. 9451832713, 8953592142

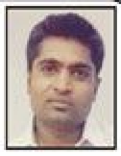

1. 003
2. विजीत रवीन्द्रकुमार जैन
3. सिंघई/धमसैया
4. 22.06.1988
5. 18.10
6. झांसी
7. बीबीए (मार्केटिंग)
8. 5'7''
9. गोरा
10. सर्विस-टोयोटा मोटर, झांसी
11. -
12. -
13. -
14. -
15. 9451832713, 8953592142

आगामी अक्टूबर 2018 का अंक हमारा विवाह योग्य युवक युवती परिचय विशेषांक होगा। प्रविष्टी सशुल्क 300 रुपये (चेक या नगद) यदि आप अपने शहर की शाखा में प्रविष्टी शुल्क जमा करते है तो 350 रुपये प्रति प्रविष्टि शुल्क के साथ प्रविष्टि 15 सितम्बर 2018 तक हमारे कार्यालय 16, महारानी रोड़, या 64 न्यू देवास रोड़, इन्दौर पर भेज सकते है व आपके नगर के स्थानीय प्रतिनिधि के साथ या वाट्सएप्प सुविधा नंबर 9406744064, व हमारे ईमेल golalariya.darshan@gmail.com पर बायोडाटा प्रारुप बैंक में जमा रसीद के साथ भेज सकते है। अंक की प्रति आपको मधुर कोरियर/स्पीड पोस्ट से निश्चित रुप से भेजी जावेगी। गोलालारीय संचार सेवा का वाट्सएप्प नंबर 9407453066 चर्चा हेतु उपलब्ध नहीं है। संपर्क सूत्र - राजेन्द्र जैन 9424013136, बाहुबली जैन 9405903301, कोमलंचद जैन 9329524227।

विशेष : ● **वर्ष 2017-18 की मेडिकल एवं इंजीनियरिंग व अन्य प्रवेश परीक्षा में उच्च रैंक प्राप्त करने वाले बच्चे अपनी जानकारी फोटो सहित भेजे।**

● कक्षा 1 से 5 तक 90 % या ए2 ग्रेड ● कक्षा 6 से 8 तक 80 % या बी1 ग्रेड ● कक्षा 8 से स्नातकोत्तर या प्रोफेशनल कोर्सेस में 70 %/ बी2 ग्रेड या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उक्त प्रारुप, अंक सूची की फोटोकॉपी के साथ **10 जून 18** तक निम्न पते पर भेंजे ताकि आगामी अंक में उन्हे उचित स्थान दिया जा सकें। प्राप्त अंक सूचीयों को वरीयतानुसार प्रकाशित करा जावेगा। उक्त प्रारुप की फोटो कॉपी भी कराई जा सकती है। **विशेष नोट** - अंक सूची पर पूर्णांक/प्राप्तांक /प्रतिशत/ओवर आल ग्रेड (फायनल ग्रेड) स्पष्ट रुप से लिखना अनिवार्य है। ● अंक सूची पर काट पीट या ओवरराइटिंग न करें। उक्त प्रारुप को पूर्ण रुप से स्पष्ट भरा होने पर ही प्रविष्टी मान्य होगी। ● वर्ष 2017-18 की अंकसूची ही स्वीकार होगी। स्नातक/ स्नाकोत्तर/ प्रोफेशनल कोर्सेस पूर्ण होने पर ही उसकी मार्कशीट की फोटोकॉपी भेजे। ● अंकसूची की संपूर्ण फोटोकॉपी भेजे जिसमें ग्रेड निर्धारण का विवरण अनिवार्य रुप से होना चाहिए।

● **अपूर्ण जानकारी, अंकसूची नहीं होने पर, आवेदन फार्म नहीं होने पर फार्म को निरस्त कर दिया जायेगा।** फार्म भेजने का पता : ''**गोलालारीय दर्शन**'',
श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 16, महारानी रोड़, इन्दौर
✻ 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर -3
आप हमें पर भी ईमेल कर सकते है। संपर्क सूत्र - 9424013136

वर्ष 2017-18 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु आवेदन फार्म

वर्ष 2017-18 की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी निम्न प्रारुप में अपना विवरण 10 जून 2018 तक **गोलालारीय दर्शन** कार्यालय पर भेज सकते है।

विद्यार्थी का नाम: ______________________ कक्षा__________

पिता/माता का नाम : ______________________

डाक का पूर्ण पता : ______________________
नगर के पिन कोड
फोन सहित देवे। ______________________

सदस्यता क्रं. लिखे

फोन/मोबाइल : ______________________ | | | | |

नवीन फोटो पर नाम व शहर का नाम लिखकर पिन लगाकर देवें
सदस्यता क्रमांक देखने के लिए पेपर पर चिपके आपके नाम के स्टीकर को देखें।

कुल अंक: __________ **प्राप्तांक**__________ **प्रतिशत/ग्रेड** __________

विशेष उपलब्धि: ______________________

नोट - कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी अंकसूची प्राप्त न होने की दशा में इंटरनेट से प्राप्त अंकसूची की फोटोकॉपी भी भेज सकते है।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।

स्वामी श्री गोलालारीय दिग्म्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित